उपजाऊ भूमि पर कास्त न किया जाना

3323. श्री अजीत जोगी : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बुन्देलखंड में गंगा-यमुना के जलग्रहण क्षेत्रों में एकड़ों उपजाऊ भूमि बीहड़ होती जा रही है;

(ख) यदि हां, तो सरकार ने इसे रोकने के लिए क्या कदम उठाए हैं;

(ग) क्या सरकार इस क्षेत्र की सतह और उपजाऊ बनाने के लिये इस क्षेत्र के किसानों को इस भू-भाग का स्वामित्व अधिकार देने का विचार रखती है;

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) बुन्देलखंड क्षेत्र में तंगघाटी का बनना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। 5.79 लाख हैक्टेयर क्षेत्र (उत्तर प्रदेश में लगभग 4.64 लाख हैक्टेयर और मध्य प्रदेश में 1.15 लाख हैक्टेयर तंगघाटी से प्रभावित है।

(ख) केन्द्र द्वारा निधि प्रदत्त एक योजना अर्थात् "तंगघाटी क्षेत्रों का सुधार स्थितीकरण" 1987-88 से 1990-91 तक कार्यान्वित की गई थी और बाद में राष्ट्रीय विकास परिषद के निर्णय के अनुसार इसे राज्य क्षेत्र को हस्तान्तरित कर दिया गया । इसके अतिरिक्त, केन्द्रीय प्रायोजित योजनाएं अर्थात् नदी घाटी परियोजनाओं के स्रवण क्षेत्रों में मृदा संरक्षण और वर्षा-सिंचित क्षेत्रों के लिए राष्ट्रीय पनधारा विकास परियोजना इस क्षेत्र में चल रही है।

(ग) से (ङ) किसानों को स्वामित्वता के अधिकार प्रदान करना संबंधित राज्यों के विद्यमान कानून और नियमों द्वारा नियंत्रित किए जाते हैं।

मसालों की वार्षिक मांग

3324. श्री शिव प्रताप मिश्र : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दो वर्षों के दौरान और चालू वर्ष में देश में मसालों की वार्षिक मांगें कितनी रही हैं और इसका वार्षिक उत्पादन कितना कितना रहा है;

(ख) उपर्युक्त अवधि के दौरान निर्यात किए गए और निर्यात किये जाने वाले मसालों का उनके मूल्य सहित ब्यौरा क्या है; और

(ग) मसालों के उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु दिये गए अथवा दिये जाने वाले प्रोत्साहनों या सहायता का ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) मसालों की वार्षिक आवश्यकता का मूल्यांकन नहीं किया गया है। वर्ष 1991-92, 1992-93 के लिये मसालों का अनुमानित उत्पादन तथा 1993-94 के लिये लक्ष्य इस प्रकार हैं :

	उत्पादन (लाख मीटरी टन में)
1991-92	19.5
1992-93	20.5 (अनन्तिम)
1993-94	22.0 (लक्ष्य)

(ख) निर्यात किए जाने वाले महत्वपूर्ण मसाले हैं काली मिर्च, मिर्च, हल्दी, धनिया, जीरा, करी-पाउडर, मसालों के ओलियोरेजिन तथा तेल आदि।

वर्ष 1991-92 से 1993-94 के दौरान निर्यात किये गए कुल मसालों की मात्रा तथा प्राप्त मूल्य इस प्रकार हैं :

	मात्रा (हजार मीटरी टन)	प्राप्त कुल मूल्य (रुपये करोड़ों में)
1991-92	142.1	380.97
1992-93	255.6	386.75
1993-94	133.7	485.10